कृपया प्रकाशनार्थ **6 जून 2013**

भाजपा नेता व पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने गुरुवार, 6 जून 2013 को मुंबई में पत्रकार परिषद में वितरीत किया वक्तव्य

कांग्रेस - राज में आसमान छूती जबरदस्त महंगाई से आम आदमी परेशान - राम नाईक

मुंबई, गुरुवार : ''कांग्रेस - राज में आसमान छूती जबरदस्त महंगाई के कारण रोजमर्रा की जरुरी चीजें लेना भी संभव नही हो पा रहा है. युपीए - सरकार ने आम आदमी का जिना मुश्किल कर दिया हैं'', ऐसी आलोचना पूर्व पेट्रोलियम मंत्री तथा भाजपा के सुशासन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक श्री. राम नाईक ने की. मुंबई में पत्रकार परिषद में श्री. नाईक बोल रहे थे.

हालहि में एक अग्रगण्य शोध संस्था द्वारा किए सर्वेक्षण का जिक्र करते हुए श्री. राम नाईक ने कहा, ''इस सर्वेक्षण के अनुसार देश के 65 प्रतिशत मतदाता युवा (उम्र 35 से कम) है और वें भ्रष्टाचार तथा महंगाई के कारण युपीए सरकार से तंग हैं. आनेवाले चुनाव में यह युवा मतदाता परिवर्तन चाहते हैं''. कांग्रेस के भ्रष्टाचारी राज के कारणही देश में हर किस्म के उत्पादन में कमी आयी है, इसी कमी के कारण 2012-13 का सकल घरेलु उत्पाद मात्र 5 प्रतिशत रहेगा ऐसा भारत सरकार के सांख्यिकी संगठन ने कहा है, ऐसी जानकारी श्री. नाईक ने दी. पिछले दस वर्षों का यह न्यूनतम दर है; देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह खतरे की घंटी है, ऐसा भी श्री. नाईक ने कहा.

प्रधान मंत्री श्री. अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में डॉलर का विनिमय दर रु. 45.10 था, वह भी अब 26 प्रतिशत अधिक याने रु. 56.76 है, ऐसी जानकारी देकर श्री. राम नाईक ने कहा, ''इसका दूरगामी असर सभी आवश्यक वस्तूओं के दामों पर हुआ है. पिछले 11 महिनों में रुपैया का यह सबसे अधिक अवमूल्यन है. निर्यात की तुलना में अपनी आयात बहुत ही अधिक होने के कारण रुपैये को अवमूल्यन का बुरा असर देश की वित्त व्यवस्था पर हो रहा है. अब हम आयात के लिए 26 प्रतिशत अधिक मूल्य दे रहे हैं''.

जीवनावश्यक 21 वस्तूओं की बढ़ती हुअी महंगाई की जानकारी देनेवाली एक सूची ही श्री. नाईक ने इस समय वितरीत किया, जिसके अनुसार गेंहू, चावल, बेसन, मूंग दाल, मसूर दाल, गूड, दूध, चाय जैसी जरुरी चीजों के दाम पिछले नौ वर्षों में 200 प्रतिशत से भी अधिक बढ़े है. प्याज तो गरीब को अब ज्यादाही रुलाता है. पिछले नौ साल में प्याज के दाम रु. 6 से रु. 20 तक याने 233 प्रतिशत बढ़े है, ऐसा कह कर श्री. नाईक बोले, ''प्रधानमंत्री ने वर्ष 2009 में सौ दिन के अंदर महंगाई पर काबू पाने का आश्वासन दिया था मगर वादा खिलाफी कर जनता को धोखा दिया हैं''.

..2..

पेट्रोलियम क्षेत्र पर कटाक्ष करते हुए श्री. राम नाईक ने कहा, ''युपीए सरकार ने पिछले नौ वर्षों में डिजल प्रति लीटर रु. 22.50 से रु. 57.88 (157 प्रतिशत बढ़ोतरी), पेट्रोल रु. 33.15 से रु. 72.21 (118 प्रतिशत बढ़ोतरी) बढाया, तो आम आदमी को हर दिन लगने वाले मिट्टी के तैल के दाम तो सबसे अधिक याने रु. 18 से रु.50 (178 प्रतिशत बढ़ोतरी) बढाये. इस बढोतरी की जड़ पेट्रोलियम के लिए ठोस नीति न बनाने में है. प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह ने चार बार पेट्रोलियम मंत्री भी बदले जिससे यह समस्या और भी जटील बन गयी''. शायद यह परेशानी कम हो रही थी इसलिए अब वित्तीय सुधार के आडे धीरे - धीरे अनुदान कम करने का षड्यंत्र भी वें रच रहे हैं, ऐसी आलोचना कर श्री. नाईक ने कहा कि इस बहाने अनुदानयुक्त रसोई गैस सिलंडर के दाम रु. 244 से 84 प्रतिशत बढ़ कर रु. 448 हुए है, तो विना अनुदान सिलंडर रु. 858 (252 प्रतिशत बढ़ोतरी) को मिलता हैं. प्रधानमंत्री की हालही में हुई जापान यात्रा का जिक्र करते हुए श्री. नाईक ने कहा, ''कर्ज प्राप्त करने के लिए टोकियो में प्रधानमंत्री ने कह दिया कि विकास के लिए वह कठोर कदम उठाएंगे. आम आदमी पर और भी बोझ डालने का उनका इरादा इस वक्तव्य से साफ जाहीर होता हैं''.

आए दिन हो रहे करोडों रुपैयें के कांड, उस में दोषी मंत्री, आला अधिकारी, आदी का घिनौना भ्रष्टाचार इनसे महंगाई से पीडित जनता के जख्मों पर नमक छिडकाने का काम हो रहा है, ऐसा मत प्रदर्शित करते हुए श्री. राम नाईक ने कहा, ''सर्वेक्षण के अनुसार देश के 48 प्रतिशत मतदाता महंगाई को सबसे गंभीर समस्या मानते हैं तो 17 प्रतिशत मतदाता बढते भ्रष्टाचार से चिंता में हैं. डिजल, पेट्रोल, रसोई गैस, मिट्टी का तैल इनके बढ़ते दाम 10 प्रतिशत मतदाताओं को ज्यादा चिंतित करते हैं''. इन हालात में पुरे देश में महंगाई के विरोध में आंदोलन के लिए 8 व 9 जून को गोवा में हो रही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सभा में रणनीति बनायी जाएगी, ऐसा भी श्री. नाईक ने अंत में कहा.

(कार्यालय सचिव)

संलग्न : महंगाई की सूची.

6 जून 2013

भारतीय जनता पार्टी

जीवनावश्यक वस्तुओं के मुंबई में बढ़ते दाम

(संकलक : श्री.राम नाईक, श्री.गिरीधर साळुंके)

वस्तू	भाजपा शासन में दाम (प्रति किलो रु.) मई 2004	पहले कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) अप्रैल 2009	दूसरे कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) ३ जून 2013	2004 की तुलना में वृध्दि (प्रतिशत) %
गेंहू	9	20	28	211%
चावल	10	22	30	200%
शक्कर	14	23	38	171%
चाय पावडर	80	190	290	263%
तेल	40 (प्रति लिटर)	70 (प्रति लिटर)	78 (प्रति लिटर)	95%
डालडा	40	60	80	100%
तूर डाल	30	100	80	167%
मूंग दाल	24	54	84	250%
मसूर दाल	22	60	78	255%
चना दाल	25	36	68	172%
गुड़	14	32	50	257%
बेसन	20	48	64	220%
आलू	8	14	24	200%
प्याज	6	16	20	233%
टमाटर	9	16	40	344%
दूध	14 (प्रति लिटर)	28 (प्रति लिटर)	42 (प्रति लिटर)	200%
मिट्टी का तेल	18 (प्रति लिटर)	25 (प्रति लिटर)	50 (प्रति लिटर)	178%
रसोई गैस	244 (प्रति सिलेंडर)	312 (प्रति सिलेंडर)	448.50(प्रतिसिलेंडर) * 858 (प्रतिसिलेंडर) **विनाअनुदान**	84% 252%
पेट्रौल	33.15 (प्रति लिटर)	44.60(प्रति लिटर)	72.21(प्रति लिटर)	118%
डिजल	22.50 (प्रति लिटर)	34.50(प्रति लिटर)	57.88 (प्रति लिटर)	157%
सीएनजी	19.71(प्रति किलो)	24.65(प्रति किलो)	33.95(प्रति किलो)	72%
डॉलर $1	रु. 45.10	रु. 50.05	रु. 56.76	26%

विशेष :

1. 2012-2013 का 'सकल घरेलु उत्पाद' (जीडीपी) 5 प्रतिशत रहेगा ऐसी घोषणा केंद्र सरकार के सांख्यिकी संगठन ने की है, यह जीडीपी दर गत 10 वर्षो में सबसे कम है और अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी हैं.

2. इस के अतिरिक्त डालर रुपैया का विनिमय दर 2004 में रु. 45.10 था, वह अब रु. 56.76 याने 26 प्रतिशत बढ़ा है. विगत 11 महिनों का यह नीचांक है. इस का मतलब है कि आयात में हमें 26 प्रतिशत अधिक किमत देनी पड़ रही हैं. इस समय हमारी निर्यात से आयात अधिक होने के कारण रुपए के अवमूल्यन से देश को भारी नुकसान हो रहा हैं.